विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 5, अंक 60 | माह - दिसंबर, 2023, मूल्य : निःशुल्क

अच्छी खबर - पांच महिलाओं की सफलता की कहानी

प्रशिक्षण - महिलाओं का पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन

जयंती - दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की जयंती मनाई गई

योग शिविर - समिति ने योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया

सम्मान - 'सेवा प्रवाह पुरोधा' सम्मान से कपिल मलैया जी को नवाजा गया

बेंगलुरु में क्वेस्ट 2 लर्न वार्षिक शिखर सम्मेलन में आकांक्षा मलैया ने हिस्सा लिया

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

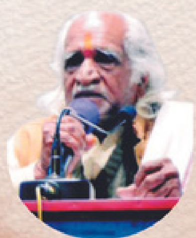
हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

अच्छी खबर

विचार समिति ने 1500 से अधिक महिलाओं को गोमय उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण और स्वरोजगार दिया

58 महिलाओं को स्वरोजगार का प्रशिक्षण दिया, 12 ने शुरू किया खुद का रोजगार

महिलाओं को सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, जागरूक करने के लिये विचार समिति ने 1500 से अधिक महिलाओं को गोमय उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण और स्वरोजगार दिया। समिति की सहयोगी संस्थान बैंगलोर की क्वेस्ट एलाइंस ने 58 महिलाओं को स्वरोजगार का प्रशिक्षण दिया, 12 महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ीं। संस्थान क्वेस्ट एलाइंस ने पिछले वर्ष 7 महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 15 हजार रुपए की आर्थिक मदद की थी।

द्रोपती पटैल
तिलकगंज

फुल्की बनाने से शुरू किया स्वरोजगार

आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण घर का खर्चा और बच्चों की अच्छी परवरिश नहीं हो पाती थी। मैंने सोचा की कुछ काम मैं भी चालू करूं लेकिन मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूं तब मैं विचार समिति से जुड़ी और स्वरोजगार की ट्रेनिंग के दौरान मुझे समझ में आया कि मैं भी कुछ कर सकती हूं। आज मैं फुल्की बनाने का काम कर रही हूं जिससे मुझे 5 से 6 हजार मासिक आमदनी हो जाती है।

संध्या राय
तिलकगंज

दोना-पत्तल बनाकर की स्वरोजगार की शुरुआत

आर्थिक तंगी से परिवार की सामान्य जरूरतें पूरी नहीं हो पाती है, कमाने को पति ही हैं। मैने समिति द्वारा स्वरोजगार से जुड़े प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। स्वरोजगार क्या है, कैसे करना है, सीखा। पिछले माह से दोना-पत्तल बनाना शुरू किया। मशीन पूरी तरह ओटोमेटिक है। कच्चा बना रोल काट कर रखते जाते है। दोना बनते जाते है। इस कार्य में पूरे परिवार का सहयोग मिलता है। ख़रीदने का एक वर्ष का एग्रीमेंट कम्पनी के साथ है। उसके साथ-साथ स्थानीय दुकानों पर बात की है। 5000 से 10000 रूपये की मासिक आय हो जाती है।

ब्यूटी पार्लर से कमा रहीं 4 से 5 हजार रूपए

प्रभा साहू
भगवानगंज

शुरू से ही उद्यमिता की राह पर हमेशा से प्रयासरत् रहीं है। समिति द्वारा प्रशिक्षण में मैंने अपनी रुचियों को और बेहतर तरीकों से जाना। मैंने ब्यूटी पार्लर से स्वरोजगार स्थापित किया है। जिसमें 4-5 हजार रूपये प्रति माह कमा लेती हूं। इसके अलावा शादियां के आर्डर मिलते तो कमाई और बढ़ जाती है। इसके साथ-साथ आस-पास की किशोरियों को प्रशिक्षित देती हूं। मुझे बहुत ख़ुशी है कि समिति द्वारा ट्रेनिंग से आज मैं अपने पैर पर खड़ी हूं।

जनरल स्टोर और बुटिक को बनाया कमाई का साधन

अनीता चौधरी
भगवानगंज

मैंने एक छोटे से कोने में दुकान की शुरूआत की थी। आज उनकी पूरी दुकान कई आइटम से भरी हुई है। आस-पास के क्षेत्र की महिलाओं को उनकी जरूरत का सामान मिल जाता है। पांच दिवसीय प्रशिक्षण में ग्राहकों की पहचान करना,बाज़ार व्यवस्था, व्यवहार कुशलता को जाना था। सामान्यत: हर आइटम पर 5 से 10 रूपये तक बच जाते हैं। सभी ख़र्चे काटकर माह में 6 से 10000 रूपये तक बच जाते है। प्रशिक्षण से जुड़कर न सिर्फ महिलायें स्वरोजगार से जुडीं बल्कि उनके आत्मविश्वास और दुनियादारी के मायनों की समझ विकसित हुई।

आजीविका के लिए खोली साड़ियों की दुकान

ममता अहिरवार
तुलसीनगर

आज के समय मैं घर को चलाना बहुत मुश्किल है। केवल एक व्यक्ति की आय से सामान्य जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। इसलिए मैंने समिति द्वारा ट्रेनिंग से जुड़कर साड़ियों की दुकान खोलकर आजीविका के रूप में चुना है। पहले यहां की महिलाओं को साड़ियां लेने बाजार जाना पड़ता था लेकिन अब उन्हें साड़ियों के अलावा पीकू, फॉल, ब्लाउज, अस्तर आदि का कार्य यहीं हो जाता है।

“ मेरा लक्ष्य है कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर आर्थिक रूप से सक्षम बनें। इसी उद्देश्य को लेकर विचार समिति द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसका महिलाओं को लाभ भी मिल रहा है। महिलाएं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। समिति द्वारा गोमय परियोजना, हथकरघा एवं अन्य स्थानीय उत्पाद को बढ़ावा दे रही है जो स्वरोजगार के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

कपिल मलैया, अध्यक्ष, विचार समिति

बेंगलुरु में क्वेस्ट 2 लर्न वार्षिक शिखर सम्मेलन में आकांक्षा मलैया ने लिया हिस्सा

विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने जानकारी देते हुए कहा क्वेस्ट एलायंस युवाओं के लिए स्व-शिक्षा को सक्षम करके शिक्षा और कौशल के अंतर को कम करने, शिक्षा प्रौद्योगिकी, नवाचार और सहयोग के माध्यम से सीखने के लिए मजबूती से काम कर कर रहा है।

क्वेस्ट एलायंस द्वारा क्वेस्ट 2 लर्न दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 9 अक्टूबर 2023 बेंगलुरू में सपन्न हुआ। यह आयोजन का छठा संस्करण है। जिसमें भारत में शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के लिए परिवर्तनकारी संभावनाओं और न्यायसंगत, समावेशी शिक्षा के अवसरों पर बड़ी और बेहतर संभावनाओं पर कार्य करना है। शिखर सम्मेलन भारत में काम और सीखने के भविष्य पर चर्चा करने के लिए सरकार, शिक्षकों, डिजाइन विचारकों, कंपनियों, प्रौद्योगिकीविदों और सीएसआर को एक साथ लाता है।

शिखर सम्मेलन में बातचीत से पता चलता है कि शिक्षा प्रौद्योगिकी हमारे देश की शिक्षा और रोजगार संबंधी चुनौतियों का सामना करने में कैसे मदद कर सकती है। प्रगति और जलवायु आपातकाल की स्थिति में अच्छे भविष्य बनाने के लिए क्या करना होगा। विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने जानकारी देते हुए कहा क्वेस्ट एलायंस युवाओं के लिए स्व-शिक्षा को सक्षम करके शिक्षा और कौशल के अंतर को कम करने, शिक्षा प्रौद्योगिकी, नवाचार और सहयोग के माध्यम से सीखने के लिए मजबूती से काम कर कर रहा है। शिखर सम्मेलन में हाशिये पर पड़े लोगों की क्षमता को विकसित करने का प्रयास, युवाओं को वैकल्पिक, एकाधिक और पसंदीदा भविष्य बनाने लिए बारे में सोचना और वैकल्पिक भविष्य की कल्पना करना, भविष्य के संकटों से निपटने के लिए आवश्यक उपकरणों को प्रदान करना है। क्वेस्ट 2 लर्न (क्यू2एल) वार्षिक शिखर सम्मेलन में 200 से अधिक शिक्षकों, डिजाइन विचारकों, प्रौद्योगिकीविदों, नागरिक समाज, सीएसआर और सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

विचार समिति ने योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया

मैजेस्टिक प्लाजा में योग गुरू डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरथिनम योग कराते हुए।

विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह सात बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। योग गुरू डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरथिनम द्वारा योग कराया गया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. सौरभ भारिल्य ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मैं छह माह से डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरथिनम और डॉ. सौरभ भारिल्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं। कोरोनाकाल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था वह कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे परंतु उचित योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है। आप सभी से आग्रह है कि इस आयुर्वेद संस्थान से स्वास्थ्य लाभ लें।

चैकअप कैंप में डॉ. बबीता बशीर, डॉ. सेंथिल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया। इस अवसर पर सुनीता अरिहंत, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, मनोज प्रीति जैन, राहुल अहिरवार, अभिषेक मशीह, नीलू सागर, रजनी जैन, सुधीर जैन, मंजू सतभैया, मंजू जैन, आलोक जैन, नरेन्द्र साहू, ज्योति जैन, अनुराग विश्वकर्मा, मयंक जैन, आशीष पाठक, शकुंतला जैन, मुक्ता जैन आदि ने योग शिविर का लाभ उठाया।

व्यवसाय को आत्मविश्वास व प्रसन्नता से किया जाये तो सफलता निश्चित: कपिल मलैया

विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस द्वारा महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन

महिलाओं को स्वरोजगार का प्रशिक्षण देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया।

विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया जिसका आज समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने मारूति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, ढोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे। स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढ़नी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते है उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकड़ों उदाहरण हैं जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की और आज वे सफल है। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। इस दुनियां की सभी समस्याओ का अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा। प्रशिक्षण में यह बता दिया जायेगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलेगा।

महिलाओं को सर्टिफिकेट व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया
दूसरे चित्र में महिलाओं ने अपने उत्पादों के स्टाल लगाए

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे हैं। प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक बाजार से जोड़ना भी मुख्य भूमिका में है। हमारा उद्देश्य है कि सभी महिलाएं आत्मविश्वास के साथ सम्मान पूर्वक जीवनयापन कर सके। कठिन से कठिन परिस्थिति में खुद को समायोजित कर सकें।

क्वेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लवी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्वेस्ट एलाइंस कौशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी रूचि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें । उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है। आय एवं व्यय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। हम विचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की मदद कर रहे हैं।

क्वेस्ट एलाइंस परियोजना सहयोगी प्रांजल कहते हैं कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को आने वाले भविष्य में सक्षम बनने में मदद करेंगे।

इस अवसर पर संध्या लांबा, यास्मीन बानो, सुषमा पटेल, अंजली पटैल, सुनीता चौरसिया, डाली पटेल, राधा पटेल, रिंकी पटैल, ममता रैकवार, राजकुमारी रैकवार, रजनी मिथलेश विश्वकर्मा, संगीता प्रजापति, अंजना पटैल, ज्योति कुशवाहा, सरोज पटैल, निशा सोनकर, नीतू कुशवाहा, रीना पटैल, नीलम पटैल, इंद्रा पटैल, खुशी अहिरवार, उमा पटैल, आकांक्षा नामदेव, कविता पटैल, प्रीति चौरसिया, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार आदि महिलाओं ने स्वरोजगार का प्रशिक्षण लिया।

डॉ. गौर कौशल विकास मेला में समिति ने लगाया स्वदेशी वस्तुओं का स्टाल

सुनीता अरिहंत ने कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के लिए गोबर से बनी घड़ी भेंट की।

डॉ. हरिसिंह गौर की 154वीं जयंती के अवसर पर डॉ. गौर कौशल विकास मेला 3.0 का आयोजन 25 एवं 26 नवंबर को गौर परिसर में किया गया जिसमें विचार समिति ने गौमय उत्पादों का स्टॉल लगाया। कौशल विकास मेला 3.0 का शुभारभ डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने करते हुए कहा कि हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवाओं के कौशल विकास पर कार्य कर रही है। आज इस मेले को देखकर लग रहा है की भारत के युवाओं में कौशल की कमी नहीं है। इस मेले में स्थानीय उत्पादों के स्टाल भी लगाये गये है। मेला संयोजक सुशील ने कहा की इस मेले में 22 स्टॉल लगाये गये है। इस अवसर पर विचार समिति कार्यकारी सुनीता अरिहंत के साथ विचार टीम ने कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के लिए गोबर से बनी घडीं भेट की। इस मौके पर ज्योति रैकवार, अरविंद अहिरवार, उमा पटैल, पूजा प्रजापति, आकांक्षा नामदेव आदि उपस्थित थीं।

दिवाली मिलन समारोह आयोजित

समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि दिवाली मिलन समारोह पिछले 6 वर्षों से मनाते आ रहे है। मिलन समारोह का उदेश्य यह है कि यह कार्यक्रम अपनों को पास लाता है एवं उनके साथ समय बिताने का मौका मिल जाता है साथ ही स्वदेशी तरीके से दिवाली मिलन समारोह मनाते है। समारोह में समिति अध्यक्ष कपिल मलैया के साथ 200 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें डॉक्टर, वकील व्यवसायी, शिक्षक, सेनानी आदि उपस्थित थे।

जयंती : दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने दुनियाभर में श्रमिक आंदोलन को नई दिशा दी

समाज सुधारक दंत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती विचार समिति कार्यलय में मनाई गई।

स्वदेशी जागरण मंच की ओर से कई संगठनों की नींव रखने वाले महान चिंतक, विचारक, दार्शनिक, समाज सुधारक दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती विचार समिति कार्यलय में मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन कर रहे स्वावलंबी भारत अभियान के प्रान्त टोली सदस्य कपिल मलैया ने बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने दुनियाभर में श्रमिक आंदोलन को नई दिशा दी है। वह उद्योगों के श्रमीकरण, राष्ट्र के औद्योगीकरण और श्रम के राष्ट्रीयकरण के प्रवर्तक थे। दत्तोपंत ठेंगड़ी के मानवतावादी विचारों को समझना होगा और अर्थव्यवस्था के विभिन्न हितधारकों को साथ लेकर चलना होगा। इसके साथ ही उनकी जीवनी पर भी प्रकाश डाला गया।

जगदीश जारोलिया जिला अध्यक्ष, भारतीय मजदूर संघ ने कहा कि आज दुनिया के सामने पर्यावरण, आर्थिक असमानता, आतंकवाद जैसे संकट गहराते जा रहे हैं। विश्व के कुछ देश और वर्ग की अधिनायकत्व वाली प्रवृत्ति के कारण एक ओर जहां संसाधनों का केंद्रीयकरण बढ़ा है, वहीं दूसरी ओर दुनिया के एक बड़े तबके के बीच विकास की कोई पदचाप सुनाई नहीं देती। ऐसे समय में महान चिंतक, दार्शनिक एवं समाज सुधारक दत्तोपंत ठेंगड़ी के विचारों की प्रासंगिकता बढ़ गई है। दत्तोपंत ठेंगड़ी बौद्धिक प्रवर्तक, संगठनकर्ता और दार्शनिक से आगे बढ़कर समाज सुधारक इसलिए थे, क्योंकि उन्होंने भारतीयता के दर्शन को अपने कृतित्व से फलीभूत किया। इस मौके पर अन्य सदस्य रविन्द्र ठाकुर पूर्णकालिक कार्यकर्ता स्वाबलंबी भारत अभियान, दीपक मिश्रा जिला मंत्री भारतीय मजदूर संघ, शुभ शर्मा नगर मंत्री अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, आकाश जैन, सुमित, समीर, अभिषेक, मानशु कोष्ठी, मोहित साहू, ज्योति रैकवार, उमा पटेल, आकांक्षा नामदेव, सोनू नामदेव, अरविंद अहिरवार आदि उपस्थित रहे।

'सेवा प्रवाह पुरोधा' सम्मान से कपिल मलैया जी को नवाजा गया

सांसद राजबहादुर सिंह से सम्मान लेते हुए कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक दानवीर डॉ. हरीसिंह गौर की 154वीं जन्म जयंती के अवसर पर प्रवाह समिति प्रत्येक वर्ष सांस्कृतिक, साहित्यिक, सामाजिक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करती आ रही है। इस वर्ष सामाजिक क्षेत्र में विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया को 'सेवा प्रवाह पुरोधा' सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने ग्रहण किया। इस अवसर पर समिति सदस्य राहुल अहिरवार उपस्थित रहे।

0 से 16 वर्ष के बच्चों को नि:शुल्क पिलाया स्वर्ण प्राशन

पंचकल्याणक महोत्सव पर भगवान के जन्म कल्याण के पावन अवसर पर शांतिधारा गिर गौशाला में निर्मित स्वर्ण प्राशन नि:शुल्क 0 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों को पिलाया। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने स्वर्ण प्राशन की जानकारी देते हुये बताया कि यह स्वर्ण प्राशन हजारों वर्षों से ऋषि मुनियों द्वारा बताए गए पवित्र 16 संस्कारों में एक महत्वपूर्ण संस्कार है। जिसमें शिशुओं को स्वर्ण, घी एवं अनेक औषधियों का मिश्रण दिया जाता है। स्वर्णप्राशन जन्म से 16 वर्ष की आयु तक प्रत्येक पुष्य नक्षत्र या शुभ मुहूर्त से प्रारंभ करके न्यूनतम 45 दिन या अधिकतम 6 माह तक लगातार देना है। स्वर्णप्राशन से बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। शारीरिक और मानसिक विकास होता है। मौसमी बीमारियों से रक्षा होती है।

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत बच्चों को स्वर्ण प्राशन पिलाते हुए।

बच्चों की स्मृति क्षमता बढ़ती है। हड्डियों की मजबूती बढ़ती है। पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है। महिलाएं अपने बच्चों के लिए यह स्वर्ण प्राशन स्वदेशी वस्तु भंडार कटरा बाजार सागर से ले सकती हैं।

मीडिया कवरेज

मंडे पॉजिटिव • विचार समिति ने 1500 से ज्यादा महिलाओं को गौमय उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण और रोजगार दिया

58 महिलाओं ने लिया प्रशिक्षण, 12 ने शुरू किया खुद का रोजगार

भास्कर संवाददाता | सागर

महिलाओं को सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त और जागरूक करने के उद्देश्य से पिछले दिनों विचार समिति ने 1500 से ज्यादा महिलाओं को गौमय उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण और रोजगार दिया। ट्रेनिंग में महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने प्रोत्साहित भी किया।

महिलाओं पर इसका इतना जबरदस्त प्रभाव हुआ कि जिन 58 महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने प्रशिक्षण दिया गया उनमें से 12 महिलाओं ने स्वरोजगार स्थापित कर 5 से 10 हजार रुपए आमदनी कमाना शुरू कर दिया है। 7 महिलाओं को पिछले साल समिति की सहयोगी संस्था बैंगलोर की क्वेस्ट एलायंस ने स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 15-15 हजार रुपए की आर्थिक मदद की थी।

खुद खोला ब्यूटी पार्लर, ट्रेनिंग भी दे रहीं

भगवानगंज निवासी प्रभा साहू ने बताया कि ब्यूटी पार्लर का काम जानती थीं। लेकिन स्वरोजगार स्थापित करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही थीं। समिति के प्रशिक्षण में मैंने अपनी स्किल्स को और बेहतर तरीकों से जाना। मैंने ब्यूटी पार्लर स्थापित किया। शुरुआत में थोड़ी परेशानी हुई। लेकिन धीरे-धीरे काम मिलने लगा। अब इसमें 4-5 हजार रुपए प्रतिमाह कमा लेती हूं। किशोरियों को भी प्रशिक्षण दे रही हूं।

दोना-पत्तल बनाए, कंपनी से अनुबंध भी हुआ

तिलकगंज वार्ड निवासी संध्या राय ने बताया कि आर्थिक तंगी से परिवार की सामान्य जरूरतें पूरी नहीं हो पाती। मैंने समिति के प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। पिछले माह से कागज के दोना-पत्तल बनाना शुरू किया। मशीन ऑटोमैटिक है। काम में पूरा परिवार सहयोग करता है। उत्पाद खरीदने के लिए निजी कंपनी से एक साल का अनुबंध हुआ है। स्थानीय दुकानों पर भी बात की है। 5 से 10 हजार रुपए की मासिक आय होने लगी है।

साड़ी की दुकान खोली, पीकू-फॉल का काम भी

तुलसीनगर निवासी ममता अहिरवार ने बताया कि महंगाई के इस दौर में घर चलाना बहुत मुश्किल है। समिति के प्रशिक्षण में मुझे सीख मिली कि घर के आसपास क्या उपक्रम लग सकता है। मैंने साड़ियों की दुकान खोली। पहले वार्ड की महिलाओं को साड़ियां लेने के लिए बाजार जाना पड़ता था। अब एक ही जगह साड़ियों के अलावा पीकू, फॉल, ब्लाउज तथा अस्तर आदि मिल जाता है। हर माह 4-5 हजार रुपए की आमदनी हो जाती है।

फुलकी बनाकर हर माह कमा रही 5-6 हजार

तिलकगंज वार्ड निवासी द्रोपती पटेल ने बताया कि आर्थिक तंगी से घर का खर्च और बच्चों की अच्छी परवरिश नहीं हो पाती थी। मैंने सोचा की कुछ काम मैं भी शुरू करूं लेकिन समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूं। तभी विचार संस्था का प्रशिक्षण शुरू हुआ। मैं समिति से जुड़ी और स्वरोजगार की ट्रेनिंग ली। आज मैं घर बैठे फुलकी बनाने का काम कर रही हूं। इससे मुझे 5 से 6 हजार रुपए मासिक आमदनी हो जाती है।

जनरल स्टोर-बुटिक को बनाया कमाई का जरिया

भगवानगंज निवासी अनीता चौधरी ने बताया मैंने एक छोटे से कोने में दुकान की शुरुआत की। लेकिन आमदनी खास नहीं थी। प्रशिक्षण में ग्राहकों की पहचान, उनकी आवश्यकताएं, बाजार व्यवस्था और व्यवहार कुशलता सीखी। आज पूरी दुकान कई आइटम से भरी है। आस-पास के क्षेत्र की महिलाओं को उनकी जरूरत का सामान मिल जाता है। सभी खर्च काटकर माह में 6 से 10 हजार रुपए तक बच जाते हैं।

हम स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दे रहे

• मेरा लक्ष्य महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। इसी उद्देश्य को लेकर समिति समय-समय पर महिलाओं के लिए प्रशिक्षण आयोजित करती है। खुशी की बात यह है कि महिलाओं को इसका लाभ भी मिल रहा है। समिति गोमय परियोजना, हस्तकला एवं अन्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। यह स्वरोजगार के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।
- कपिल मलैया, अध्यक्ष विचार समिति

स्वस्थ रहने के लिए लोगों ने किया उचित योग और व्यायाम

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह 7 बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। योग गुरू डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरथिनम द्वारा योग कराया गया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. सौरभ भारिल्य ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मैं 6 माह से

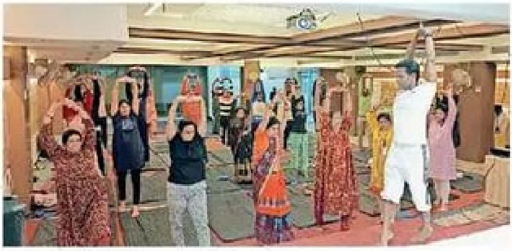

डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरथिनम और डॉ. सौरभ भारिल्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं। कोरोना काल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था। अब वह भी कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे। लेकिन उचित योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई। बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है।

चैकअप कैंप में डॉ. बबीता बशीर, डॉ. सेंथिल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया। इस अवसर पर सुनीत अरिहंत, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, मनोज-प्रीति जैन, नीलू सागर सहित बड़ी संख्या में लोगों ने योग शिविर का लाभ उठाया।

विचार समिति ने योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया

सागर, देशबन्धु। विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह सात बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। योग गुरू डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरथिनम द्वारा योग कराया गया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. सौरभ भारिल्य ने नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मैं छह माह से डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरथिनम और डॉ. सौरभ भारिल्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं। कोरोनाकाल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था वह कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे परंतु उचित योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है। चैकअप कैंप में डॉ. बबीता बशीर, डॉ. सेंथिल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया। इस अवसर पर सुनीता अरिहंत, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, मनोज प्रीति जैन, नीलू सागर आदि ने योग शिविर का लाभ उठाया।

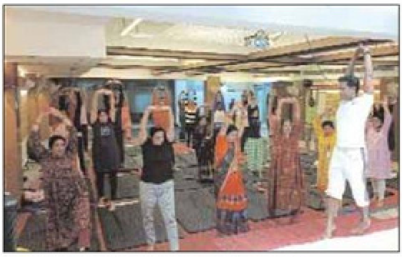

विचार समिति ने योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया

परिहार गर्जना न्यूज। सागर। विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह सात बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। योग गुरू डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरथिनम द्वारा योग कराया गया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. सौरभ भारिल्य ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मैं छह माह से डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरथिनम और डॉ. सौरभ भारिल्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं। कोरोनाकाल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था वह कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे परंतु उचित योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है। आप सभी से आग्रह है कि इस आयुर्वेद संस्थान से स्वास्थ्य लाभ लें। चैकअप कैंप में डॉ. बबीता बशीर, डॉ. सेंथिल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया। इस अवसर पर सुनीता अरिहंत, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, मनोज प्रीति जैन, नीलू सागर, रजनी जैन, सुधीर जैन, मंजू सतभैया, मंजू जैन, आलोक जैन, नरेन्द्र साहू मौजूद रहे।

मीडिया कवरेज

स्वरोजगार : विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस द्वारा महिलाओं के प्रशिक्षण का समापन

व्यवसाय आत्मविश्वास और प्रसन्नता से किया जाए तो सफलता निश्चितः मलैया

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वरोजगार प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं ने अपने उत्पादों के स्टाल लगाए।

विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वाधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया । समापन समारोह में प्रशिक्षण ले रही महिलाओं को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इन महिलाओं ने मारुति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, ढोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे।

स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम में विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढ़नी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते हैं उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकड़ों उदाहरण हैं जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की और आज वे सफल हैं। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। इस दुनियां की सभी समस्याओं का अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा। प्रशिक्षण में यह बता दिया जाएगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलेगा। समिति कार्यकारी अध्यक्ष अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे हैं।

क्वेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लवी ने कहा कि क्वेस्ट एलाइंस कौशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनाना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सकें। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी रुचि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें । उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है। आय एवं व्यय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। हम विचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की मदद कर रहे हैं।

क्वेस्ट एलाइंस परियोजना सहयोगी प्रांजल ने कहा कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को भविष्य में सक्षम बनने में मदद करेंगे। समिति सदस्य पूजा प्रजापति ने सहयोग दिया।

इस अवसर पर संध्या लांबा, यास्मीन बानो, सुषमा पटेल, अंजली पटैल, सुनीता चौरसिया, डाली पटेल, राधा पटेल, रिंकी पटेल, ममता रैकवार, राजकुमारी रैकवार, रजनी मिथलेश विश्वकर्मा, संगीता प्रजापति, अंजना पटेल, ज्योति कुशवाहा, सरोज पटेल, निशा सोनकर, नीतू कुशवाहा, रीना पटैल, नीलम पटैल, इंद्रा पटैल, खुशी अहिरवार, उमा पटैल, आकांक्षा नामदेव, कविता पटैल, प्रीति चौरसिया, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार आदि महिलाओं ने स्वरोजगार का प्रशिक्षण लिया।

विचार समिति ने योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया

ज्ञान बिहारी- 9302303212

सागर। विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिवन आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह सात बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। योग गुरु डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरथिनम द्वारा योग कराया गया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. सौरभ भारिल्ल ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मैं छह माह से डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरथिनम और डॉ. सौरभ भारिल्ल के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं। कोरोनाकाल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था वह कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे परंतु उचित योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है। आप सभी से आग्रह है कि इस आयुर्वेद संस्थान से स्वास्थ्य लाभ लें।

चैकअप कैंप में डॉ. कबीता बशीर, डॉ. संधिल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया।

इस अवसर पर सुनीता अरिहंत, संध्या रांधेलिया, ज्योति स्वरूप, मनोज प्रीति जैन, नीलू सागर, रजनी जैन, सुधीर जैन, मंजू सतभैया, मंजू जैन, आलोक जैन, नरेन्द्र साहू, ज्योति जैन, अनुराग विश्वकर्मा, मयंक जैन, आशीष पाठक, शकुंतला जैन, मुक्ता जैन आदि ने योग शिविर का लाभ उठाया।

संस्थापक- स्व.वीर सिंह परिहार चौकट संपादक - रामबाबू सिंह परिहार मो. 9755204916 सह संपादक - दादा लालौनी

वर्ष 12 | अंक 120 | छतरपुर, रविवार 26 नवम्बर 2023 | मूल्य 1.00 रूपये | पृष्ठ 16

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है - कपिल मलैया

विचार समिति एवं क्रेस्ट एलाइंस द्वारा महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन संपन्न

परिहार गर्जना न्यूज। सागर। विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्रेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वाधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया जिसका आज समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने मारुति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, ढोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे। स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढ़नी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते है उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकड़ों उदाहरण है जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की और आज वे सफल है। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। इस दुनियां की सभी समस्याओं का अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा। प्रशिक्षण में यह बता दिया जायेगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलेगा। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे है उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ने के लिए मदद कर रहे है। प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें व्यवहारिक बाजार से जोड़ना भी मुख्य भूमिका में है। हमारा उद्देश्य है कि सभी महिलाएं आत्मविश्वास के साथ सम्मान पूर्वक जीवनयापन कर सके। कठिन से कठिन परिस्थिति में खुद को समायोजित कर सकें। क्रेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लवी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्रेस्ट एलाइंस कौशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनाना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण

में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी रुचि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें । उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है। आय एवं व्यय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। हम विचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की मदद कर रहे हैं। क्रेस्ट एलाइंस परियोजना सहयोगी प्रांजल कहते हैं कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को आने वाले भविष्य में सक्षम बनने में मदद करेंगे। इस कार्यक्रम में विचार समिति सदस्य पूजा प्रजापति का सहयोग रहा । इस अवसर पर संध्या लांबा, यास्मीन बानो, सुषमा पटेल, अंजली पटैल, सुनीता चौरसिया, डाली पटेल, राधा पटेल, रिंकी पटैल, ममता रैकवार, राजकुमारी रैकवार, रजनी मिथलेश विश्वकर्मा, संगीता प्रजापति, अंजना पटैल, ज्योति कुशवाहा, सरोज पटैल, निशा सोनकर, नीतू कुशवाहा, रीना पटैल, नीलम पटैल, इंद्रा पटैल, खुशी अहिरवार, उमा पटैल, आकांक्षा नामदेव, कविता पटैल, प्रीति चौरसिया, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार आदि महिलाओं ने स्वरोजगार का प्रशिक्षण लिया।

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती हैः मलैया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया जिसका आज समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने मारुति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, ढोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे।

स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढ़नी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते है उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकड़ों उदाहरण है जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की और आज वे सफल है। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। इस दुनियां की सभी समस्याओं का अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा। प्रशिक्षण में यह बता दिया जायेगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलेगा।

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे है उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे है। प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक बाजार से जोड़ना भी मुख्य भूमिका में है। हमारा उद्देश्य है कि सभी महिलाएं आत्मविश्वास के साथ सम्मान पूर्वक जीवनयापन कर सके। कठिन से कठिन परिस्थिति में खुद को समायोजित कर सके।

संपन्न | विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस द्वारा महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन संपन्न

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है : कपिल

सत्य सुधार ■ सागर

विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया जिसका आज समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने मारुति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, ढोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे। स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढ़नी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते है उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकड़ों उदाहरण है जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की और आज वे सफल है। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। इस दुनियां की सभी

समस्याओं का अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा। प्रशिक्षण में यह बता दिया जायेगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलेगा। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे है उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ने के लिए मदद कर रहे है।

प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक बाजार से जोड़ना भी मुख्य भूमिका में है। हमारा उद्देश्य है कि सभी महिलाएं आत्मविश्वास के साथ सम्मान पूर्वक जीवनयापन कर सके। कठिन से कठिन परिस्थिति में खुद को समायोजित कर सकें। क्वेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लवी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्वेस्ट एलाइंस कौशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनाना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी रुचि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें । उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है। आय एवं व्यय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। हम विचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की मदद कर रहे हैं। क्वेस्ट एलाइंस परियोजना सहयोगी प्रांजल कहते हैं कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है।

मीडिया कवरेज

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है : कपिल मलैया

विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस द्वारा महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन

दबंग बुन्देलखण्ड

पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण के समापन समारोह में महिलाओं को सर्टिफिकेट एवं स्मृति भेंट किया गया

सागर। विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया। जिसका आज समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने मारुति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, ढोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे। स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है, तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी लें, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढनी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते है। उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकड़ों उदाहरण है जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरूआत की और आज वे सफल है। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। इस दुनिया की सभी समस्याओं का अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा। प्रशिक्षण में यह बता दिया जायेगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलेगा। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे हैं। प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक बाजार से जोड़ना भी मुख्य भूमिका में है। हमारा उद्देश्य है कि सभी महिलाएं आत्मविश्वास के साथ सम्मान पूर्वक जीवनयापन कर सके। कठिन से कठिन परिस्थिति में खुद को समायोजित कर सकें।

क्वेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लवी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्वेस्ट एलाइंस कौशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी रुचि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें। उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है। आय एवं व्यय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। हम विचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की मदद कर रहे हैं। क्वेस्ट एलाइंस परियोजना सहयोगी प्रांजल कहते हैं कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को आने वाले भविष्य में सक्षम बनने में मदद करेंगे।

इस अवसर पर संध्या लांबा, यास्मीन बानो, सुषमा पटेल, अंजली पटेल, सुनीता चौरसिया, डाली पटेल, राधा पटेल, रिंकी पटेल, ममता रैकवार, राजकुमारी रैकवार, रजनी मिथलेश विश्वकर्मा, संगीता प्रजापति, अंजना पटेल, ज्योति कुशवाहा, सरोज पटेल, निशा सोनकर, नीतू कुशवाहा, रीना पटेल, नीलम पटेल, इंद्रा पटेल, खुशी अहिरवार, उषा पटेल, आकांक्षा नामदेव, कविता पटेल, प्रीति चौरसिया, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार आदि महिलाओं ने स्वरोजगार का प्रशिक्षण लिया इस कार्यक्रम में विचार समिति सदस्य पूजा प्रजापति का सहयोग रहा।

महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने प्रशिक्षण दिया

व्यवसाय में सफलता की चाबी है आत्म विश्वास और प्रसन्नता : मलैया

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्रेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वाधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया। समापन कार्यक्रम में प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं, आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाए तो सफलता मिलती है। सलाह सबकी लें, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढनी है। उन्होंने कहा व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की आज वे सफल है। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे हैं। क्रेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लवी ने कहा हमारी संस्था कौशल विकास पर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। क्रेस्ट एलाइंस परियोजना सहयोगी प्रांजल ने कहा आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को आने वाले भविष्य में सक्षम बनने में मदद करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विचार समिति की सदस्य पूजा प्रजापति का सहयोग रहा। कार्यक्रम में संध्या लांबा, यास्मीन बानो, सुषमा पटेल, अंजली पटेल, सुनीता चौरसिया, डाली पटेल, राधा पटेल, रिंकी पटेल, ममता रैकवार, राजकुमारी रैकवार, रजनी मिथलेश विश्वकर्मा सहित अन्य महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया।

योग शिविर और स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह सात बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। योग गुरु डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरथिनम द्वारा योग कराया गया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. सौरभ भारिल्य ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मैं छह माह से डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरथिनम और डॉ. सौरभ भारिल्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं। कोरोनाकाल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था वह कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे परंतु उचित योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है। आप सभी से आग्रह है कि इस आयुर्वेद संस्थान से स्वास्थ्य लाभ लें। चैकअप कैंप में डॉ. बबीता बशीर, डॉ. सेंथिल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया। इस अवसर पर सुनीता अरिहंत, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, मनोज प्रीति जैन आदि ने योग शिविर का लाभ उठाया।

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है: कपिल मलैया

सागर दिनकर

सागर। विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्रेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वाधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया जिसका आज समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने मारुति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, ढोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे।

स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढनी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते है उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकड़ों उदाहरण हैं जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की और आज वे सफल है। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। इस दुनियां की सभी समस्याओं का अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा। प्रशिक्षण में यह बता दिया जायेगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलेगा।

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है। रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे हैं। प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक बाजार से जोड़ना भी मुख्य भूमिका में है। हमारा उद्देश्य है कि सभी महिलाएं आत्मविश्वास के साथ सम्मान पूर्वक जीवनयापन कर सकें। कठिन से कठिन परिस्थिति में खुद को समायोजित कर सकें।

क्रेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लवी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्रेस्ट एलाइंस कौशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी रुचि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें। उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है।

स्वस्थ रहने का सरल तरीका योग जरूर करें : कपिल

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

विचार समिति से शिविर लगाया

विचार समिति ने रविवार को तिलकगंज वार्ड में स्थित मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ सुबह सात बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया।

योग गुरु डॉ पुरुषोत्तम मुनिरथिनम ने उपस्थित जनों को योग कराया। आयुर्वेदाचार्य डा. सौरभ भारिल्य ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया मैं छह माह से डा.पुरुषोत्तम मुनिरथिनम और डा. सौरभ भारिल्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं। कोरोनाकाल में मेरा वजन बढ़ गया था, जो योग करने से कम हो गया है। योग और व्यायाम से वजन कम हुआ, कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है। आप सभी आयुर्वेद संस्थान से स्वास्थ्य लाभ लें। चैकअप कैंप में डा. बबीता बशीर, डा. सेंथिल कुमार, डा. शुभी जैन ने सहयोग किया। शिविर में सुनीता अरिहंत, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, मनोज प्रीति जैन, नीलू सागर, रजनी जैन, सुधीर जैन, मंजू सतभैया, मंजू जैन, आलोक जैन, नरेन्द्र साहू, ज्योति जैन, अनुराग

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है: कपिल मलैया

सागर, देशबन्धु। विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्रेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया जिसका शनिवार को समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने मारुति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, ढोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे। स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढनी है। व्यापार में उतार चढ़ाव आते है उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। आज हमारे सामने सैकड़ों उदाहरण हैं जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की और आज वे सफल है। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे हैं। क्रेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लवी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्रेस्ट एलाइंस कौशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी रुचि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें। उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है। आय एवं व्यय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। हम विचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की मदद कर रहे हैं। क्रेस्ट एलाइंस परियोजना सहयोगी प्रांजल कहते हैं कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को आने वाले भविष्य में सक्षम बनने में मदद करेंगे।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING®

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship
Preparation–Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

‖ विचार समिति ‖
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

| VICHAR SAMITI | powered by: danamojo

cfpay.dmvicharsamiti@icici

UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर